Section-3

Q.1) Ans (i) अपशिष्ट प्रबंधन :- [redacted] अपशिष्ट प्रबंधन एक कुशल अपशिष्ट प्रबंधन प्रणाली का मुख्य उद्देश्य कूड़े-करकट से अधिकतम मात्रा में उपयोगी संसाधन प्राप्त करना है और ऊर्जा का उत्पादन करना है ताकि कम से कम मात्रा में अपशिष्ट पदार्थों को लैंडफिल क्षेत्र में फैंकना पड़े। इसका कारण यह है लैंडफिल में फेंके जाने वाले कूड़े का भारी खामियाजा भुगतना पड़ रहा है, एक तो इसके लिए काफी जमीन की आवश्यकता होती है जो लगातार कम होती जा रही है और इससे कहा वायु, मिट्टी और जल-प्रदूषण का सम्भावित कारण भी है। अपशिष्ट पदार्थ पैदा करने वालों की यह जिम्मेदारी बनती है कि वे कूड़े की छंटाई करें जो ठोस अपशिष्ट प्रबंधन की मूल आवश्यकता है। ठोस अपशिष्ट प्रबंधन भारत में बहुत बड़ी समस्या का रूप ले चुका है क्योंकि शहरी औद्योगिकरण और आर्थिक विकास के परिणाम स्वरूप शहरी कूड़े-करकट की मात्रा बहुत बढ़ गई। अर्थात् अपशिष्ट प्रबंधन का [redacted] कार्य है कि कूड़े करकट का प्रयोग करके जरूरी सामान व चीजें बनाई जा सकें। ~~ताकि~~ ताकि waste material का सही प्रयोग भी हो जाए तथा प्रदूषण की भी समस्या न रहे।

(3) कार्बनिक कृषि :- ऐसी खेती जिसमें हम मानव निर्मित रासायनिक उर्वरकों व कीटनाशकों का प्रयोग न करके जीवाणुयुक्त खादों का प्रयोग किया जाता है। जिसमें जानवरों का मल व कई प्रकार के कीटों का प्रयोग किया जाता है। सर्वप्रथम भारत मे कार्बनिक कृषि का ही प्रयोग किया जाता था। परन्तु बढ़ते विकास के कारण अब मानव निर्मित कीटनाशकों का उपयोग बढ़ गया है। परन्तु वे हमारे शरीर के लिए हानिकारक भी है। अर्थात कार्बनिक कृषि बहुत उत्तम प्रकार की कृषि है। इसमें खर्चा भी कम आता है। तथा यह शरीर के लिए भी पौष्टिक आहार प्रदान करती है। कार्बनिक कृषि करने से भूमि की उपजाऊ क्षमता भी बढ़ती है। तथा सिंचाई अन्तराल मे भी वृद्धि होती है। फसलो की उत्पादकता भी बढ़ती है। तथा भूमि के जलस्तर भी भी वृद्धि होती है। जैविक खेती की विधि रासायनिक खेती की तुलना मे बराबर या अधिक उत्पादन देती है।

(4) ओजोन पर्त क्षय :- ओजोन पर्त एक ऐसी पर्त है। जो ऑक्सीजन के 3 Atom से मिलकर बनी है तथा यह हमारे वायुमण्डल मे सबसे ऊपर स्थित रहती है।

Scanned with CamScanner

यह परत हमारी सूर्य से आने वाली पराबैंगनी किरणों से हमारी सुरक्षा करती है। अर्थात् अगर ओज़ोन परत न हो तो सूर्य की किरणें सीधा हमारे ऊपर आएं तथा लोगों में इससे महामारी फैलने का खतरा रहेगा। ओज़ोन ही पराबैंगनी किरणों से हमारी रक्षा करती है। परंतु हम पृथ्वी पर रहकर तथा प्रदूषण फैलाकर ओज़ोन परत को हानि पहुँचाते हैं। अर्थात् ओज़ोन को हानि सिर्फ प्रदूषण से होती है। हम जब निरन्तर वायु को प्रदूषित करते रहेंगे तो ओज़ोन परत में उपस्थित ऑक्सीजन के कण भी प्रदूषित होंगे जिससे ओज़ोन की परत घटने लगेगी। इसलिए हमें कम से कम प्रदूषण फैलाना चाहिए।

(6) [Covid-19: मानव जनित वैश्विक महामारी]:
यह महामारी अत्यधिक खतरनाक है। यह महामारी सर्वप्रथम चीन देश में उत्पन्न हुई। ऐसा माना जाता है कि चीन ने सभी देशों को आर्थिक नुकसान पहुँचाने के लिए इस महामारी को फैलाया है। और ऐसा भी माना जाता है कि यह महामारी चीन के एक जैविक लैब से निकली है। यह महामारी बहुत ही खतरनाक है।

Scanned with CamScanner

इसमें एक कोरोना नामक वायरस है जो मनुष्य के रोग प्रतिरोधक्ता शक्ति को कमजोर करता है। COVID-19 कोरोना का एक वायरस है। कोरोना family के और भी वायरस हैं। परन्तु family यह वायरल अभी तक सबसे ज्यादा खतरनाक साबित हुआ है। यह वायरस खांसने में छींकने से भी फैल सकता है तथा जमीन पर व किसी संक्रमित व्यक्ति द्वारा Touch करने से भी किसी वस्तु को Touch कर सकता है। यह वायरस एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में पहुँच सकता है। अगर कोई संक्रमित व्यक्ति व स्वस्थ व्यक्ति आपस में संपर्क में आए तो। वह स्वस्थ व्यक्ति के शरीर में केवल Touch करने से प्रवेश कर लेगा। तथा आपको पता भी भी नहीं चलेगा के आपके अन्दर वायरस ने प्रवेश कर लिया है तथा 10 से 14 दिन तक आपके शरीर में रहेगा को धीरे-धीरे आपके शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को कमजोर कर देगा। तथा आपको बीमार कर देगा। यह वायरस शरीर में उत्पन्न सेन्स को नष्ट कर देता है तथा शरीर में पहुँचकर अपने जैसे ही वायरसों को उत्पन्न कर लेता है जिनकी गिनती लाखों व करोड़ों में हो सकती है। अतः अगर हमें इससे बचना है तो face पर mask लगाना होगा तथा अनावश्यक बाहर घूमने नहीं जाना होगा तथा लोगों से कम से कम 2 गज की दूरी बनाकर रखनी होगी। तथा हाथों को निरन्तर Sanatizer या साबुन से धोना होगा।

Scanned with CamScanner